

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2010

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ताजिक शास्त्र)

- वर्ष 2010-11 के फलादेश के लिए सोमवार 11.5.1964 को प्रातः 8.50 पर फरीदाबाद (हरियाणा) में जन्मे जातक के लिए वर्ष कुण्डली बनाएं।
- निम्न वर्ष कुण्डली के आधार पर उत्तर दें :-
 लग्न - मिथुन 1:11, सूर्य - कर्क 18:59, चन्द्र - वृषभ 16:54
 मंगल - कन्या 9:57, बुध - सिंह 16:16, गुरु (व) - मीन 9:06
 शुक्र - कन्या 4:17, शनि - कन्या 7:17, राहु - धनु 17:35
 क. सभी ग्रहों के हर्ष बल की गणना करें।
 ख. सभी ग्रहों के उच्च बल की गणना करें।

अथवा

उपरोक्त वर्ष कुण्डली 4.8.1961 में जन्मे जातक के लिए 49 वे वर्ष की है व लग्नका जन्म लग्न मुला है। इस जातक के लिए मुन्था की गणना करें व मुन्था के विभिन्न भागों के फल बताएं।

- प्र. 2 में दी वर्ष कुण्डली के ग्रहों का पंचवर्षीय बल दिया गया है। उनके आधार पर वर्षेश का निर्धारण करें।
 सूर्य - 11:94, चन्द्र - 15:86, मंगल - 8:04, बुध - 11:70, गुरु - 11:47
 शुक्र - 8:44, शनि - 10:69
- पुण्य, दश, कार्यसिद्धि व लाभ सहम की गणना के समीकरण लिखें व प्र. 2 के लिए उनकी गणना करें।
- निम्न का उत्तर दें :-
 क. द्विजन्म वर्ष ख. मुद्दा दशा ग. पत्न्यायिनी दशा

भाग-II (मुहूर्त)

- विवाह का मुहूर्त तय करने में किन तथ्यों का ध्यान रखते हैं?
- निम्न का उत्तर दें :
 क. मुहूर्त कुण्डली में लग्न क्या महत्व है?
 ख. भद्रा के बारे में आप क्या जानते हैं?
- कुजा दोष क्या है? क्या इसे विवाह मेलापक में देखना आवश्यक है? चर्चा करें।

अथवा

निम्न पर संक्षिप्त में लिखें :

- क. अभिजित मुहूर्त ख. कुम्भ चक्र शुद्धि ग. भद्रा करण घ. गोधुलि लग्न
- निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
 क. पचास शुद्धि ख. ध्रुव नक्षत्र ग. तारा बल घ. चन्द्रबल ङ सूर्य सकात
- निम्न मुहूर्त निर्धारण में किन नियमों का पालन किया जाता है :-
 क. उपनयन मुहूर्त ख. विधारम्भ मुहूर्त